नयी दिशा की ओर।

मुड़ाओ अपने नाव को
एक नयी दिशा की ओर,
ताकी हम उठ सखे
एक नयी उषा की ओर।

छोड़ दो विद्वेषों को
जो सिखाते हैं हमें वही दिशा पे,
बदला लेने का सोच छोड़
नयी दिशा की तरफ जा मुड़।

जो भी कहा, कुछ भी कहा
छोड़ दो वह पुरानी आँग।
जाओ मिलाओ उनसे हाथ
नयी उषा की तरफ जा मुड़।

गुस्से से भरा एक मानव, व्यक्ती,
जब गुस्से छोड़, और भरता है
तोड़ा-तोड़ा प्यार अंधार,
तब शुरू हो गया होगा
वह नाव का मुड़ना, उस व्यक्ती का।

जो करते हैं अपने जीवन में त्याग
और छोड़ते हैं यह चीज़ नामक कोप,
वही लोगों की नाव मुड़ा होगा
एक नयी दिशा की ओर,
एक नयी उषा की ओर।

जब हम करते हैं दुनिया में अच्छा
हमारे नाव मुड़ते हैं तोड़ा-तोड़ा,
और ले जाते हैं हमें
एक नयी दिशा की ओर,
एक नयी उषा की ओर।

चलो हम चलते हैं
मुड़ते हैं अपने जीवन का नाव की
जो ले जाते हैं हमें
एक नयी दिशा की ओर,
एक नयी उषा की ओर।